men inspectors and Safety Committees at the mine level and the Tripartite Committees at the subsidiary company level where the workmen are represented.

(iv) Regular and repeated safety audits.

(v) Implementation of the recommendations of the Standing Committee, the CIL Safety Committees, the Tripartite Committees and the Safety Audits.

बी०सी०सी०एल० में संचयी जमा योजना आरंभ करना

1867. **श्री सरोज दुबे :** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :–

(क) क्या भारत कोकिंग कोल लि० (बी०सी०सी०एल०) भारतीय यूनिट ट्रस्ट की भांति संचयी जमा योजना आरंभ करने का विचार रखती है; और

(ख) यदि हां, तो इस योजना के अन्तर्गत कितनी धनराशि जुटाए जाने की संभावना है और इस धनराशि का उपयोग किस प्रकार किया जाएगा ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दिलीप राय : (क) भारत कोकिंग कोल लि० की यूनिट ट्रस्ट आफ इंडिया की तरह संचयी जमा स्कीम प्रारंभ करने की कोई योजना नहीं है।

(ख) प्रश्न के भाग (क) के उत्तर को दृष्टिगत करते हुए प्रश्न ही नहीं उठता है।

कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता

1868. **श्रीमती सरोज दुबे** : क्या **क्या कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश कोयले के उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिभर नहीं है;

(ख) यदि हां, तो देश में कोयले की मांग और खपत सहित इसके वार्षिक उत्पादन संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोयले की मांग और उपलब्धता के बीच अंतर बढ़ने की संभावना है;

(घ) यदि हां, तो यह अंतर किस सीमा तक बढ़ेगा ; और

(ङ) सरकार द्वारा कोयले के उत्पादन में वृद्धि करने हेतु क्या कदम उठाये गये हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री दिलीप राय) : (क) देश में अकोककर कोयले की मांग को पूरा करने के लिये कोयले का देशी उत्पादन पर्याप्त है तथापि कोककर कोयले की मांग और आपूर्ति के बीच अंतराल है ।

(ख) देश में 1997–98 के दौरान योजना आयोग द्वारा आकलित मांग और वार्षिक कोयला उत्पादन तथा 1997–98 में विभिन्न उपभोक्ताओं द्वारा किये गये कोयले की उठान का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है ।

(मि० टन में)

	(आंकड़े अनंतिम)
मांग	323 38 (6.80)
उत्पादन	295.93
विभिन्न उपभोक्ताओं द्वारा कोयले की उठान	294.64
(आयातित कोयले को छोड़ कर)	(3.59)

(कोष्ठ में दिये गये आंकड़े मिडलिंग्स को दर्शाते हैं)

(ग) से (ङ) कोयले की पर्याप्त आपूर्ति के कारण चालू वर्ष के दौरान कोककर कोयले की कमी होने की कोई संभावना नहीं है । चालू वर्ष के लिये जिस मांग का अनुमान किया गया था उससे वास्तविक मांग कम है जिसके कारण कोयले के उत्पादन में नीचे की ओर संशोधन किए जाने की आवश्यकता है तथापि कोककर कोयले का उत्पादन मांग से कम है और कोयले के भंडारों की प्रकृति के कारण इसमें वृद्धि होने की सीमित संभावना ही है ।

Denationalisation of coal sector

1869. SHRI P. PRABHAKAR REDDY: Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have a proposal to denationalise the coal sector;

(b) if so, the details thereof and the reasons therefor; and

(c) by when the legislative measures will be initiated to give effect to the proposal?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI DILIP RAY): (a) to (c) No, Sir. However, Ministry of Coal propose to make amendment to Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973 to allow coal mining by Indian companies without the existing restriction of captive consumption. The proposal does not involve privatisation of any of the existing coal mines of Coal India Limited (CIL) or of Singareni Collieries Company Limited (SCCL).

Low Productivity in underground mines

1870. SHRI PREM CHAND GUPTA : Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that low productivity in underground mines is an important constrant affecting the profitability of the coal sector and the output per man shift has stagnated around 55 tonnes for the last two decades despite massive investments made in mechanisation of underground mines; and

(b) the action planned by Govenment in this regard?

THE MINISTER OF SATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI DILIP RAY): (a) Yes, Sir. The low productivity in undeground mines is an important constraint affecting the profitability of coal sector. The output per manshift in underground mines has not shown any marked improvement as has been with opencast mines. For the last few years the underground output per manshift has remained between 0.53 to 0.57 tonnes.

(b) Following measures are being taken to improve production from the underground mines of Coal India Limited :

(i) Adoption of intermediate technology of using mechanical loaders like side discharge loaders and load haul dumpers at coal face in underground mines.

(ii) Introduction of modern technology in selective UG mines.

(iii) Impovement in UG mechanised longwall face performance through better back up of spares and system improvement.

(iv) Improved working conditions in mines through better lighting, ventilation and communication.

(v) Introduction of "All man all job" concept wherever feasible.

(vi) Improvement in power supply particularly to mines in eastern region and setting up captive power plants in selected location, and